उत्तर प्रदेश

ई-संदेश

21 नवम्बर 2018, वर्ष 1, अंक 44

सात दिन – सात पृष्ठ

• नारी सशक्तिकरण संकल्प अभियान का शुभारम्भ • उत्तर प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए वर्तमान सरकार संकल्पित •
• किसानों की संतुष्टि हमारी प्राथमिकता है • सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की व्यवस्था हार हाल में सुनिश्चित की जाये •
• मुख्यमंत्री ने गोरखपुर के पिपराइच चीनी मिल का निरीक्षण किया • ठण्ड में गरीबों को कंबल बाँटने के मुख्यमंत्री के निर्देश •
• उत्तराखण्ड की विरासत को बनाये रखने के लिए यूपी सरकार सहयोग करेगी •

संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश

'नारी सशक्तिकरण संकल्प अभियान' का शुभारम्भ

देश और समाज की प्रगति के लिए विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की समान भागीदारी आवश्यक: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हमारे समाज की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है। इस आधी आबादी ने सुदृढ़ समाज के निर्माण और विकास में हमेशा महत्वपूर्ण योगदान दिया है। देश और समाज की प्रगति के लिए विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की समान भागीदारी आवश्यक है। भारतीय संस्कृति की पहचान भी मातृ शक्ति से है। हमारे देश में भगवान श्रीराम को कौशल्या नन्दन और भगवान श्रीकृष्ण को यशोदानन्दन कहा जाता है। साथ ही, सीता–राम और राधा–कृष्ण एक साथ कहने की परम्परा भी है। वर्तमान में भी अनेक महिलाएं और बालिकाएं अपने ज्ञान, कर्मठता और प्रतिभा से सफलता के नये उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। अपने विशिष्ट कार्यों से यह महिलाएं समाज को राह दिखा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने यह विचार 'नारी सशक्तिकरण संकल्प अभियान' के शुभारम्भ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं एवं बालिकाओं को पूरी सुरक्षा देने के साथ–साथ उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के सामाजिक तथा आर्थिक उत्थान हेतु संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी उन तक पहुंचाना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। महिला सशक्तिकरण के लिए ऐसा किया जाना बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान प्रदेश में दिनांक 20 नवम्बर से 20 दिसम्बर, 2018 तक संचालित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा मातृ शक्ति का उल्लेख करते हैं। नारी को सशक्त करने के उद्देश्य से प्रदेश में लगभग 2 करोड़ 50 लाख जन–धन खाते खोले गए हैं। इसके माध्यम से नारी जीवन में एक सकारात्मक बदलाव आया है। इसी तरह प्रधानमंत्री का मानना है कि शौचालय स्वच्छता का प्रतीक होने के साथ–साथ यह नारी गरिमा से भी जुड़ा है। इसीलिए इसे 'इज्जत घर' का नाम दिया गया है। उज्ज्वला योजना के तहत देश में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए वर्तमान राज्य सरकार कृतसंकल्पित

निवेशकों की सुविधा हेतु प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न नीतियाँ लागू की गयी

उत्तर प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिये वर्तमान राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। प्रदेश की कानून व्यवस्था में व्यापक सुधार करके औद्योगिक निवेश का वातावरण तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास की इच्छा रखते हैं। डिफेन्स कॉरीडोर की स्थापना की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और जनवरी–2019 में भूमि पूजन कर इसका शुभारम्भ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह विचार चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित यू0पी0 डिफेन्स एक्सपो–2018 के समापन अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि उद्योगों में जितना अधिक पूंजी निवेश होगा, उतनी अधिक आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। इससे प्रदेश का विकास होगा। साथ ही, राज्य में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने कार्यभार ग्रहण करने के एक वर्ष के अन्दर ही फरवरी, 2018 में 'यू0पी0

इन्वेस्टर्स समिट–2018' का आयोजन किया। इस समिट के माध्यम से राज्य सरकार को प्राप्त निवेश प्रस्तावों में से 62 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा गया है। आगामी दिसम्बर माह में 01 लाख करोड़ रुपए तक के अन्य निवेश प्रस्तावों हेतु ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी की जाएगी। प्रदेश में सुरक्षा का सकारात्मक माहौल तैयार किया गया है, जिससे निवेशक सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिफेन्स कॉरीडोर के तहत 50 हजार करोड़ रुपए का निवेश होगा। इससे 2.50 लाख युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इससे देश को रक्षा उत्पादों की आपूर्ति हेतु आत्मनिर्भर बनाने के लिए देश में ही रक्षा उत्पादों का उत्पादन बढ़ाना होगा।

औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने कहा कि यू0पी0 डिफेन्स एक्सपो–2018 के समापन अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी का आना अपने आप में महत्वपूर्ण है। प्रदेश में औद्योगिकीकरण का प्रारम्भ हो चुका है। डिफेन्स कॉरीडोर में उद्यमियों को सस्ती दर पर भूमि उपलब्ध करायी जाएगी।

किसानों की संतुष्टि हमारी प्राथमिकता है: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इस वर्ष धान क्रय के निर्धारित लक्ष्य का प्राप्त किया जाना सुनिश्चित करें तथा किसानों को मूल्य समर्थन योजना का पूरा लाभ दिलाएं। साथ ही सभी धान क्रय केन्द्रों को क्रियाशील किया जाए। उन्होंने कहा कि धान क्रय के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही पाए जाने पर सम्बन्धित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसानों की संतुष्टि हमारी प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर धान खरीद के सम्बन्ध में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मण्डलायुक्तों व जिलाधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि छोटे किसानों के हित को देखते हुए उन्हें सत्यापन व्यवस्था से मुक्त कर दिया गया है। कोई भी किसान 100 कुन्तल तक धान पंजीकरण के बाद बेच सकता है। किसानों को उतराई व छनाई के मद में इस वर्ष 20 रुपए प्रति कुन्तल अतिरिक्त दिए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर गन्ना खरीद व गन्ना भुगतान के सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 121 चीनी मिलों का संचालन किया जाना है। इनमें से 71 चीनी मिलें

संचालित हो चुकी हैं तथा शेष चीनी मिलें 25 नवम्बर, 2018 तक संचालित कर दी जाएं।

उन्होंने कहा कि 02 नई चीनी मिलें पिपराइच व मुण्डेरवा फरवरी, 2019 में गन्ना पेराई कार्य शुरू करेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान हर हाल में सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि गन्ना पर्ची वितरण की नई व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने कहा कि गन्ना क्रय केन्द्रों तथा चीनी मिलों पर घटतौली रोके जाने की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रमुख सचिव चीनी मिलें एवं गन्ना आयुक्त संजय भूसरेड्डी ने कहा कि संचालित चीनी मिलों द्वारा अब तक 194.86 लाख कुन्तल गन्ने की खरीद कर 17.66 लाख कुन्तल चीनी का उत्पादन किया गया है। बकाया गन्ना मूल्य के भुगतान के लिए 4000 करोड़ रुपए के ऋण की व्यवस्था की गई है। शासन द्वारा प्रथम किस्त में 1000 करोड़ रुपए अवमुक्त किए जा चुके हैं। चीनी मिलों द्वारा खरीदे गए गन्ने पर 4.50 रुपए प्रति कुन्तल की दर से 500 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता भी राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई है। ■

सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जाए: मुख्यमंत्री

उ0प्र0 राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने तथा इनमें जन–धन हानि रोकने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसलिए आवागमन को सुरक्षित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाया जाए। सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि उ0प्र0 राज्य सड़क सुरक्षा परिषद के निर्णयों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। परिषद के निर्णयों को लागू कराने के लिए एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए, जो अनुपालन की कार्यवाही की साप्ताहिक समीक्षा करे। नोडल अधिकारी द्वारा मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय को निर्णयों के अनुपालन की प्रगति की जानकारी दी जाए। साथ ही, जिन विभागों द्वारा निर्णयों को लागू करने में रुचि नहीं ली जा रही, उनकी भी जानकारी प्रदान की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा परिवहन विभाग की प्राथमिकता का विषय होना चाहिए। परिवहन और गृह विभाग सम्मिलित रूप से सड़क सुरक्षा के लिए कार्य करें। सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में मा0 सर्वोच्च न्यायालय के दिशा–निर्देशों का भी कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेल महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेलों के प्रति हमारे युवाओं के मन में एक अच्छा भाव पैदा हुआ है। प्रदेश में राष्ट्रीय स्तर की भी प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। ओलम्पिक पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को राजपत्रित पद दिए जाने की व्यवस्था की गयी है।

खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न संगठन आगे आ रहे हैं। व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में शिक्षा के साथ–साथ खेलों का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि खेल में जीत–हार तो होती रहती है। जीत–हार जीवन का हिस्सा है। हर हार के पीछे जीत छिपी होती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विशुद्ध खेल भावना के साथ देश के लिए अधिकाधिक पदक जीतकर प्रतिभागी देश व प्रदेश का नाम बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री ने यह विचार जनपद गोरखपुर के रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम में भारत भीम स्व0 जनार्दन सिंह जी के स्मृति में सीनियर उ0प्र0 पुरुष एवं महिला राज्य कुश्ती चौम्पियनशिप के आयोजन अवसर पर व्यक्त किए। इस अवसर पर 06 राउण्ड की कुश्ती प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री ने विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कार व मेडल प्रदान कर बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे अपने बेहतरीन खेल प्रदर्शन के माध्यम से राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय पदक प्राप्त कर देश एवं प्रदेश का सम्मान बढ़ाएं। ■

पिपराइच चीनी मिल के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर की पिपराइच चीनी मिल का निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के पिपराइच में 384 करोड़ रुपए की लागत से बन रही चीनी मिल का निरीक्षण किया तथा कार्य प्रगति की समीक्षा भी की। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि सभी कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने पिपराइच में ओवरब्रिज बनाने के लिए योजना बनाने के लिए निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चीनी मिल विगत 20 वर्षों से बन्द पड़ी है। इससे आसपास के इलाके के गन्ना किसानों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। अब इस चीनी मिल के बन जाने से यहां के गन्ना किसानों को काफी लाभ होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह चीनी मिल कई आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पिपराइच चीनी मिल बनने से काफी लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर सुलभ होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गन्ने का रकबा बढ़ा है। राज्य सरकार द्वारा अभी तक गन्ना किसानों को 39 हजार करोड़ गन्ना मूल्य का भुगतान किया जा चुका हैं। पिछले वर्ष के बाकी, लगभग 6 हजार करोड़ रुपये गन्ना मूल्य का भुगतान 30 नवम्बर, 2018 तक भुगतान करने की तैयारी सरकार द्वारा की जा रही

- एक करोड़ कुंतल पेराई की क्षमता वाली पिपराइच मिल
- रिफाइन्ड चीनी उत्पादन की पहली मिल

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिपराइच चीनी मिल पहली ऐसी चीनी मिल होगी जहां रिफाइन्ड चीनी का निर्माण होगा। यहां पर निर्मित होने वाली चीनी सल्फर फ्री होगी। इसकी अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में काफी मांग है। इस चीनी मिल में आवश्यकतानुसार चीनी का निर्माण किया जाएगा। अवशेष शुगर केन से सीधे एथेनाल बनाया जाएगा। इस चीनी मिल के संचालित होने पर पहले वर्ष में 10 लाख कुन्तल गन्ने की आवश्यकता होगी। जब यह चीनी मिल अपनी पूरी क्षमता से चलेगी तो 80 लाख से 1 करोड़ कुन्तल गन्ने की आवश्यकता होगी। इससे आसपास के सभी गन्ना किसानों को उनकी फसल का अच्छा मूल्य मिलेगा और वे खुशहाल होंगे।

निरीक्षण के दौरान विधायक पिपराइच श्री महेन्द्र पाल सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण, शासन–प्रशासन एवं गन्ना विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बाढ़ नियंत्रण परिषद की स्थायी संचालन समिति की बैठक

ठण्ड में गरीबों को कंबल बाँटने के मुख्यमंत्री के निर्देश

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में वर्ष 2018–19 में शीतलहरी से बचाव हेतु निराश्रित एवं असहाय व्यक्तियों को कम्बल वितरण तथा अलाव व्यवस्था के लिए अग्रिम धनराशि के रूप में लगभग 20 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इसके अतिरिक्त अलाव की व्यवस्था के लिए समस्त जनपदों को 50 हजार रुपये प्रति तहसील की दर से अग्रिम धनराशि दी गयी है।

बाढ़ से बचाव के लिए रणनीति पहले से बना ली जाए: मुख्यमंत्री

बाढ़ नियंत्रण परिषद की स्थायी संचालन समिति की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाढ़ से बचाव के लिए रणनीति पहले से बना ली जाए। बाढ़ बचाव कार्य जनवरी माह से शुरू कर मई तक पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि नदियों की लगातार डी–सिल्टिंग की जाए और उन्हें चैनलाइज भी किया जाए। इससे पानी का फैलाव रुकेगा। इसके निकलने में आसानी होगी और बाढ़ की स्थिति नियंत्रित की जा सकेगी।

उन्होंने कहा कि बाढ़ नियंत्रण से सम्बन्धित सभी काम समय से पूरे किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने यह विचार लोक भवन में आयोजित राज्य बाढ़ नियंत्रण परिषद की स्थायी संचालन

समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ से जन–धन की हानि रोकने के लिए कटिबद्ध है। इसके लिए बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में इससे उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की गहन समीक्षा की जाए और आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि बाढ़ बचाव कार्यों के लिए आवश्यक तटबंध इत्यादि निर्मित करने के लिए आवश्यक फण्ड्स की आवश्यकता के अनुसार व्यवस्था की जाएगी।

गोरखपुर के खिचड़ी मेले में उचित प्रबंध किये जाएँ: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर सभागार, गोरखपुर में मकर संक्रान्ति मेले की तैयारियों के सम्बन्ध में सभी तैयारियों को दिसम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा एवं व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नव वर्ष के पहले दिन से ही मंदिर में भारी संख्या मे लोग आने लगते हैं। इसलिए भीड़ को नियंत्रित करने तथा जाम से मुक्ति दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन व्यवस्था करे। उन्होंने कहा कि वाहन पार्किंग स्थल में खड़े हों, वाहन स्टैण्ड पर प्रकाश एवं साफ–सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाए। उन्होंने कहा कि नेपाल एवं बिहार से भी यहां लोग खिचड़ी चढ़ाने आते हैं। इसके दृष्टिगत सुरक्षा के व्यापक प्रबन्ध किए जाएं। उन्होंने कहा कि मेले में महिला पुलिस की पर्याप्त व्यवस्था के साथ–साथ पर्याप्त संख्या में सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगवाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि स्थान–स्थान पर लोगों का जमावड़ा न होने दें।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गढ़मुक्तेश्वर मेले में कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए आये श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा करने हेतु 22 नवम्बर को गढ़मुक्तेश्वर जायेंगे।

माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तराखंड महोत्सव के शुभारम्भ के अवसर पर भारतीय थल सेना के अध्यक्ष बिपिन रावत के साथ

उत्तराखण्ड की विरासत को संजोने-संवारने के लिए उ०प्र० सरकार हर सम्भव सहयोग करेगी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं गौरवशाली परम्परा व विरासत से जुड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि अतीत से प्रेरणा प्राप्त कर आगे बढ़ना हम सबका कर्तव्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अतीत से कटा हुआ व्यक्ति त्रिशंकु की तरह होता है, उसका कोई लक्ष्य नहीं होता।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री स्व0 हेमवती नन्दन बहुगुणा की आदमकद प्रतिमा लखनऊ में स्थापित किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की विरासत को संजोने–संवारने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार हर सम्भव सहयोग करेगी।

मुख्यमंत्री यहां गोमती तट, लखनऊ पर आयोजित 'उत्तराखण्ड महोत्सव–2018' के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा तथा श्री नारायण दत्त तिवारी को अपनी श्रद्धांजलि देते हुए स्मरण किया। उन्होंने कहा कि श्री बहुगुणा ने संचार के क्षेत्र में क्रांति का सूत्रपात किया। उनकी स्मृति में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं गौरवशाली परम्परा व विरासत से जुड़ने की आवश्यकता: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने श्रीनारायण दत्त तिवारी का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड के विकास के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महोत्सव विरासत, संस्कृति और अतीत से जुड़ने का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर थल सेना अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड महोत्सव के आयोजन से उत्तराखण्ड की परम्परा, कला, संस्कृति और विरासत से लोग जुड़ेंगे।

पर्यटन मंत्री श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी ने मुख्यमंत्री व जनरल बिपिन रावत का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड महोत्सव हमें अपनी विरासत और संस्कृति की ओर ले जाता है।

जनरल बिपिन रावत ने कारगिल युद्ध के शहीद हुए श्री हरि सिंह, कैप्टन चंचल सिंह और श्री ज्ञान सिंह रावत के परिजनों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री जी को प्रतीक व स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में दिनांक 19 नवम्बर 2018 को सम्पन्न मंत्रिपरिषद के महत्वपूर्ण निर्णय :-

- कैबिनेट ने प्रोत्साहन योजनाओं के अन्तर्गत संचालित मल्टीप्लेक्स और सिनेमाघरों में एस जी एस टी की प्रतिपूर्ति संबंधी प्रक्रिया 28 जुलाई 2017 के संबंधित शासनादेशों के आधार पर किए जाने को मंजूरी प्रदान की है।

- राज्य सम्पत्ति विभाग के पूल के निष्प्रयोज्य वाहनों के प्रतिस्थापनस्वरूप 17 नये वाहनों की खरीद को मंजूरी दी।

- उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने मेसर्स सनलाईट फ्यूल्स लिमिटेड, नई दिल्ली को जैव ऊर्जा उद्यम प्रोत्साहन कार्यक्रम के अन्तर्गत सुविधाएं प्रदान किए जाने को मंजूरी दी।

- उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने सौर ऊर्जा नीति 2017 के अन्तर्गत 500 मेगावॉट क्षमता की सोलर पावर परियोजनाओं के लिए परियोजना विकासकर्ताओं के चयन को मंजूरी प्रदान की।

- कैबिनेट ने सुरक्षा विभाग के अनुरोध पर विशिष्ट और अतिविशिष्ट महानुभावों की सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा फ्लीट के 16 वाहनों के साथ-साथ महानुभावों द्वारा राज्य भ्रमण के लिए 79 नए वाहनों को खरीदने पर मंजूरी प्रदान की।

- उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने चीनी मिलों को वर्तमान पेराई सत्र में बैंकों से उपलब्ध कराई जाने वाली नकद साख सीमा की सुविधा के लिए शासकीय गारंटी दिए जाने और इस गारंटी पर लगभग 6 करोड़ रुपये गारंटी शुल्क के भुगतान से छूट दिए जाने पर मंजूरी प्रदान की है।

- दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में गुरु श्री गोरक्षनाथ पीठ के निर्माण हेतु धनराशि स्वीकृत

- कुम्भ मेला २०१९ योजना अंतर्गत वेणी माधव मंदिर दारागंज, पंचदिगम्बर अनी अखाड़ा झूंसी व प्रभुदत्त ब्रह्मचारी आश्रम झूंसी में श्रद्धालुओं के ठहरने हेतु जन सुविधाओं के निर्माण कार्य के लिए धनराशि स्वीकृत